B.A. (Part-I) EXAMINATION, 2016

(10+2+3 Pattern) **(Faculty of Arts)**

[Also Common with Subsidiary Paper of B.A. (Hons.) Part-I]

(Three-Year Scheme of 10+2+3 Pattern)

संस्कृत साहित्य-प्रथम वर्ष (प्रथम प्रश्न-पत्र)

(दृश्य एवं श्रव्य काव्य)

Time : Three Hours] [Max. Marks : 100

नोट- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जायेगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

PART-I (SHORT ANSWER)

Maximum Marks : 30

नोट- प्रश्न क्रमांक 1 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न लघूत्तरात्मक तथा दो अंक का है जिनमें से प्रथम पाँच प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देय हैं।

1. स्वप्नवासवदत्तम् नाटक का प्रधान रस कौन-सा है?

2. स्वप्नवासवदत्तम् नाटक के विदूषक का क्या नाम है?

3. 'दुःखं व्यक्तुं बद्धमूलोऽनुरागः' यह पंक्ति किसने और किससे कही?

4. किससे विहीन मनुष्य साक्षात्पशु है?

5. सत्संगति की क्या महिमा है?

6. महात्माओं में कौन-से गुण प्रकृतिसिद्ध हैं?

7. रघुवंश महाकाव्य में कुल कितने सर्ग हैं?

8. राजा दिलीप के कुलगुरु का क्या नाम था?

9. कामधेनु ने राजा दिलीप को क्या शाप दिया?

10. 'वाऽवसाने' सूत्र का अर्थ लिखिए।

11. सम्बुद्धि संज्ञा का सूत्र कौन-सा है?

12. धि संज्ञा विधायक सूत्र लिखिये।

13. 'औङ् आपः' सूत्र से क्या आदेश होता है?

14. 'अतोऽम्' सूत्र का क्या कार्य है?

15. 'ङिति ह्रस्वश्च' सूत्र का अर्थ लिखिये।

PART-II (DESCRIPTIVE)

Maximum Marks : 70

16. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये- 6+6

(क) उदयनवेन्दुसवर्णावासवदत्ताबलौ बलस्य त्वाम्।

पद्मावतीपूर्णौ वसन्तकम्रौ भुजौ पाताम्॥

(ख) खगा वासोपेताः सलिलमवगाढो मनिजन:
प्रदीप्तोऽग्निर्भाति प्रविचरति धूमो मुनिवनम्।
परिभ्रष्टो दूरादविरपि च संक्षिप्त किरणो
रथं व्यावासौ प्रविशति शनैरस्तशिखरम्॥
(ग) बहूशोऽप्युपदेशेषु यया मामीक्षमाणया।
हस्तेन लस्तकोणेन कृतमाकाशवाहितम्॥
(घ) कातराः येऽप्यशक्ता वा नोत्साहस्तेषु जायते।
प्रायेण हि नरेन्द्र श्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते ॥

17. स्वप्नवासवदत्तम् के मूलस्रोत और नामकरण पर प्रकाश डालिए। 7

अथवा http://www.pdusuonline.com

पद्मावती का चरित्र-चित्रण कीजिये।

18. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

(क) शक्यो वारयितुं जलेन हुतभुक् छत्रेण सूर्यातपो
नागेन्द्रो निशिताङ्कुशेन समदो दण्डेन गोगर्दभौ।
व्याधिर्भेषजसंग्रहैश्च विविधैर्मन्त्रप्रयोगैर्विषं
सर्वस्यौषधमस्ति शास्त्रविहितं मूर्खस्य नास्त्यौषधम्॥
(ख) विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं
विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरुणां गुरुः।।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परं दैवतं
विद्या राजसु पूज्यते नहि धनं विद्याविहीनः पशुः॥
(ग) लोभश्चेदगुणेन किं पिशुनता यद्यस्ति किं पातकैः
सत्यं चेत्तपसा च किं शुचि मनो यद्यस्ति तीर्थेन किम्।
सौजन्यं यदि किं गुणैः सुमहिमा यद्यस्ति किं मण्डनैः
सद्विधा यदि किं धनैरपयशो यद्यस्ति किं मृत्युना॥
(घ) पापान्निवारयति योजयते हिताय
गुह्यं निगृहति गुणान् प्रकटीकरोति।
आपद्गतं च न जहाति ददाति काले
सन्मित्रलक्षणमिदं प्रवदन्ति सन्तः॥

19. धन के सम्बन्ध में भर्तृहरि के विचारों को प्रकट कीजिये। 7

अथवा http://www.pdusuonline.com

संक्षेप में नीतिशतक का मूल्यांकन कीजिये। 7

20. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये- 6+6

(क) मन्दः कवियशः प्रार्थी गमिष्याम्युपहास्यताम्।
प्रांशुलभ्ये फले लोभादुबाहुरिव वामनः ।।

(ख) व्यूढोरस्को वृषस्कन्धः शालप्रांशुमहाभुजः।
आत्मकर्मक्षमं देहं क्षात्रो धर्म इवाश्रितः॥

(ग) काप्यभिख्यातयोरासीद् व्रजतोः शुद्धवेषयो।
हिमनिर्मुक्तयोर्योगे चित्राचन्द्रमसोखि॥

(घ) ललाटोदयमाभुग्नं पल्लवस्निग्धपाटला।
विभ्रती श्वेतरोमाङ्क संध्येव शशिनं नवम्॥

21. रघुवंश महाकाव्य के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। 7

अथवा

राजा दिलीप का चरित्र-चित्रण कीजिये। 7

22. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिये- 2+2

(क) नाऽऽदिचि। (ख) जसि च। (ग) यापः। (घ) स्वमोर्नपुंसकात्।

23. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि कीजिये- 2+2

(क) रामैः (ख) हरये (ग) रमया (घ) मत्याम्।